

1052

750R



१- विरामदस्तावेज बनाया

२- जो बदल १३,५००/- रुपये मालियत बाबारी की यकी हो

३- रकबा विक्रीत १ बीघा ६ बिस्से १० बिहवांसी पुता लियत ग्राम

शाह पुर मुस्तहकम परगना भावानपुर।

४- लगान झालाना १४ रुपये ६५ पैसे मालियत लगान के धाठ हो गुना ६

११६६०१- रुपये ।

५- विराम भूमि नः २ पल्ल बा; अकिल नः ३ भावान पुर रेट ६०००१-

रुपये जमीनीया पुतना से मालियत १३२५५१- रुपये ।

६- स्टाम्प शुल्क १६६०१- रुपये

७- बाबा ८ बिबा ८ शुल्क बाबा ।

८- विक्रीत भूमि का कोई हक़ारनामा नहीं हुआ है।

नोटि विहार जलपद पुत्र महोम्नद उदीक निवासी ग्राम शाह पुर ६५१

Handwritten signature in Urdu/Arabic script.

Handwritten signature in Urdu/Arabic script.

19-6-18

45

3.2.9v

74

27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 86

16. 11. 1900.

24/1/92

2000

Page 146, 7/2 01/5/01

10/10/1910

~~Handwritten scribbles and signatures~~

8 x 10-17

॥ १ ॥

13500

13500

Debit

10/10/10

Handwritten signature: *John H. ...*

सिद्धि

10

2/24/90

۱۹۵۱-۵۲ - ۱۵۴

— 22 —

INDIA NON JUDICIAL

७५०५

R 750

सात सौ पचास रुपये SEVEN HUNDRED & FIFTY RUPEES

-२-

परगना मगवानपुर तहसील रुडकी जिला हरिद्वार का हूँ।

विदित हो कि मुक्ति निम्न लिखित भूमि का तहसील मालिक का बिना

सम्पत्ति भूमिधर हैं जो शत्रु की तिथि तक हर प्रकार के बादविवाद से

मुक्त है किसी गलत बाट वधानत नहीं है अब यकीन हर प्रकार का दिला

कर मुक्ति ने निम्न लिखित भूमि कहे मुबलि तोह हमार पानं हो १३५००

रुपये में हाथ मुसल सुहाल फ टिठाहरा प्रो: लि: जिला हरिद्वार
हायरकर

द्वारा श्रीव कुमार व्यास मुत्र गन्नाथ व्यास निवासी २००६ फिल

हार्ने रुडकी परगना व तहसील रुडकी जिला हरिद्वार का विषय व

हस्तान्तरित कर्ता बोरुल मूल्य राशि मुक्ति जेता ८ नवम्बर १९९५

रजिस्टरी नमावा प्राप्ति होगा। बाद रजिस्टरी नमावा वेरी कोह



-2-

20/11/2022

मूल्य राशि ज़ेरा की ओर नहीं रहेगी। अथवा पक्कत में बराबर है

निम्न लिखित भूमि पर बाने ज़ेरा ज़ेरा का करा दिया है। अब ज़ेरा को

अधिकार है कि भूमि में बदाये मेरे बाने नाम का दाखिल करार करावे

सुद काशत करे या करावे गर्ज कि बाने नाम के लिए हर प्रकार से अपने

मोग तथा प्रयोग में लावे अब मेरा या मेरे वारसान का कोई वास्ता

या तादुल भूमि विक्रीत तथा उसकी मूल्य राशि से नही रहा है और

भविष्य में मेरे मुक्ति का मेरा कोई वास्तव या खीम करारिक रिश्ता

प्रकार का कोई वाद विवाद बाबत भूमि विक्रीत ज़ेरा के साथ बरगाओर

अपान्यकतः किसी के वाद विवाद या किसी मुकदमा कावुकी के कारण



-3-

12/12/1947

मुख्य राशि होता की ओर नहीं रहेगी। समझा गलत होने जानने हो

विश्व लिखित भूमि पर जाने जेता का करा दिया हो। समझा को

अधिकार है कि भूमि में बताया मेरे जाने नाम का दा लिख तारिख रावे

हृद वास्तव कर या करावे गर्व कि जाने लाभ के लिए हर प्रकार के जाने

योग तथा प्रयोग में हावे कम घेरा या घेरे वारक्षण का कोई वास्ता

या ताहक भूमि विक्रीत तथा उठकी मुख्य राशि है नहीरहा है वार

भविष्य में से मुक्ति या घेरे कोई वारिष्ठ या खीम करीक रिक्ती

प्रकार का कोरिवाद विवाद जागत भूमि विक्रीत होता के क्षाय करेगा ओर

अवाश्यकतः किरी के बाद विवाद या किरी मुक्त का मुक्ति के कारण



-४-

कुल या शुभ भूमि कबरे बसल जेताहे निकल जावे और जेता को हा नि

महुरे तो ऐसीदशा मे जेता को बधिकार हांगा किशानी कुल पुत्यराति

मय हू यावता मय हरवा वारवा द्वारा ज्वायालय मेरी बात व दिगर

यावताद हरप्रकार से प्रपन्न करलेवे मुनको या वारसा मेरो को कोह

उता नही हांगा । का: यह विषय पत्र लिख दिया कि प्रमाण रहे और

मय पर काम जावे।-

तक कील प्रमिधित - गारा शीन म्हाहारा हानसे ६६ एकड़ एक रबीधा

नो ६ बिछे ६० १० बिछांही पुमता क्यात ० हे छिउ ३०२ हेक्टर



-५-

लाना १४८५५ ६५ पेठे लाना स्थित ग्राम शाह पुर मुस्तम्म परगना

भगवान पुर तहसील राहकी जिला हरिद्वार। भूमि काश्त की है और

काश्त के लिए बेची है त्रि० में कोई पेठ या बाग नहीं है। विहित भूमि

हाता नम्बर ३३ रकबा १ बीघा ६ बिस्वे १० बिस्वांही पुस्तता लानी

१४८५५ ६५ पेठे का भाग है। विहित भूमि के लद्द उतार में बाग दर्शन

लाह आदि दक्षिण में हैत हमीद व भूमि कृता पूरव में गौहर बाग

पश्चिम में हैत देवेन्द्र कुमार आदि है। नोट- परत २ की स्तर ७ में

शब्द द्वारा व संजीव के बीच ऊपर शब्द हायरक्टर नि २११ ६१११२२
टाह्व है जो रही है।

श्रीत पत्र लेखक—प्रमोद कुमार दत्त

तहरीरतारीत ३-२-१९९० ई०

श्रीत पत्र लेखक—प्रमोद कुमार दत्त

श्रीत पत्र लेखक—प्रमोद कुमार दत्त

श्रीत पत्र लेखक—प्रमोद कुमार दत्त

श्रीत पत्र लेखक—प्रमोद कुमार दत्त

टाह्व करता नहीम कम्पद राहकी